आगामी जून की संभावित पेयजल मांग पर व्यापक कार्य योजना बनाएं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने दो लाख करोड़ की जल परियोजनाओं को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए

जयपुर, 20 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में पेयजल एवं सिंचाई जल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जलदाय एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों

- **मुख्यमंत्री को समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इंदिरा गांधी मुख्य नहर पर चार एस्केप जलाशयों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें वर्षा के अतिरिक्त पानी का संग्रहण किया जाएगा। आवश्यकता के अनुसार, इन जलाशयों से बीकानेर, नागौर, जैसलमेर, जोधपुर व बाड़मेर जिलों में पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को पेयजल और सिंचाई से जुड़ी परियोजनाओं की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली।

को सभी परियोजनाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष जून माह में संभावित पेयजल मांग को ध्यान में रखते हुए अभी से व्यापक कार्ययोजना तैयार की जाए, ताकि प्रदेशवासियों को पर्याप्त एवं निर्बाध पेयजल उपलब्ध हो सके। साथ ही, उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल 181 पर आने वाली जल आपूर्ति से संबंधित शिकायतों को भी प्रमुखता से निस्तारित करने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री ने करीब 19 हजार करोड़ रुपए की बीसलपुर-दौसा तथा ईसरदा-दौसा-जमवारामगढ़ पाइपलाइन परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल उपलब्धता बढ़ाने, पेयजल संकट का स्थायी समाधान करने और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए करीब 2 लाख करोड़ रुपए की जल परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इन परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए पीएचईडी विभाग द्वारा 10 विशेष अभियान संचालित किए गए। स्पेशल वीकली रिपेयर कैंपेन के तहत 41 जिलों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 27206 पेयजल संबंधी प्रकरणों पर कार्रवाई की गई।

इंदिरा गांधी मुख्य नहर पर भी चार एस्केप जलाशयों का निर्माण किया जा रहा है। जिनसे वर्षा के अतिरिक्त पानी को संग्रहित कर आवश्यकता के अनुसार पेयजल योजनाओं में उपयोग किया जा सकेगा। इन जलाशयों से बीकानेर, नागौर, जैसलमेर, जोधपुर और बाड़मेर जिलों में पेयजल उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग हेमंत कुमार गेरा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

इटली ने स्कूलों में बुर्का व नकाब पर रोक लगाई

मिलान, 20 सितंबर। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा है कि उनकी सरकार स्कूलों में चेहरा ढंकने वाले परिधानों पर रोक लगाने और प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या की अधिकतम सीमा तय करने की तैयारी कर रही है। मेलोनी ने यह घोषणा अपनी पार्टी, 'ब्रदर्स ऑफ इटली' के युवा संगठन के वार्षिक कार्यक्रम में की।

मेलोनी के मुताबिक, इस संबंध में जल्द ही मंत्रिमंडल के समक्ष एक प्रस्ताव

- **इटली की प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने पर भी शीघ्र प्रस्ताव लाया जाएगा।**

रखा जाएगा। प्रस्ताव में प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने के साथ-साथ उन विदेशी छात्रों के अभिभावकों के लिए इतालवी भाषा सीखने की व्यवस्था का प्रावधान होगा, जिनके बच्चों को स्कूल व्यवस्था में घुलने-मिलने में गंभीर कठिनाई हो रही है। उन्होंने स्कूलों में बुर्का और नकाब पर प्रतिबंध लगाने की भी बात कही।

मेलोनी ने तर्क दिया कि यदि किसी कक्षा में केवल एक बच्चा इतालवी भाषा नहीं समझता है तो शिक्षक और सहपाठी उसकी भाषा सीखने और स्कूल में घुलने-मिलने में मदद कर सकते हैं।

आडवाणी को भी चुनाव आयोग ने एसआईआर का नोटिस भेजा

नोटिस के अनुसार, आडवाणी, पुत्री प्रतिभा व पुत्रवधु गीतिका के नाम 2002 की एसआईआर सूची से मिलान नहीं खाते

- **निर्वाचन आयोग ने कथित विसंगतियों के कारण दिल्ली में 33.13 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए हैं, जिनमें आडवाणी, केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, कपिल सिब्बल व दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल हैं।**

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दिल्ली में एक बड़ा मामला सामने आया है। निर्वाचन आयोग द्वारा फॉर्म में कथित विसंगतियों के कारण नोटिस पाने वाले 33.13 लाख मतदाताओं की सूची में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जैसी कई प्रमुख हस्तियों के नाम भी शामिल हैं।

98 वर्षीय आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को नोटिस जारी किए गए हैं, क्योंकि उनके नाम 2002 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता सूची से मेल नहीं खा पाए। हालांकि, उनके बेटे जयंत इस मैपिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार कर चुके हैं। ये सभी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं।

आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और उनके बेटे मीर को भी नोटिस मिला है। अधिकारियों के अनुसार, बेटे मीर के नोटिस में माता-पिता के नाम में विसंगति और पत्नी सीमा के नोटिस में उनके अपने नाम में बेमेल का कारण बताया गया है।

इस सूची में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की प्रविष्टि को मान्य कर दिया गया है और शालीमार बाग निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची (जो 4 नवंबर को प्रकाशित होगी) में उनके नाम को शामिल करने के लिए सुरक्षित कर लिया गया है।

30 जून से 17 अगस्त के बीच चलाए गए घर-घर सत्यापन अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता को एक गणना फॉर्म जमा करना आवश्यक था। मसौदा सूचियों में शामिल लगभग 97 लाख मतदाताओं में से 33.13 लाख मतदाताओं को उनके फॉर्म में विसंगतियों के चलते नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें से अब तक 31.63 लाख से अधिक नोटिस दिए जा चुके हैं।

रूस के चुनावों के बीच यूक्रेन का मॉस्को पर बड़ा ड्रोन हमला

हमलों में मॉस्को की एक तेल रिफाइनरी व आवासीय इमारत को नुकसान पहुँचा

मॉस्को, 20 सितम्बर। रूस में संसदीय चुनाव के अंतिम दिन राजधानी मॉस्को और उसके आसपास के इलाकों को निशाना बनाकर यूक्रेन की ओर से भीषण ड्रोन हमला किया गया है। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने 1,600 से अधिक ड्रोन को हवा में ही मार गिराया, जिनमें से 450 ड्रोन सीधे मॉस्को को निशाना बना रहे थे।

स्थानीय गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि इस ड्रोन हमले में मॉस्को क्षेत्र में दो लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। हमलों में मॉस्को की एक तेल रिफाइनरी और एक आवासीय इमारत को भी नुकसान पहुंचा।

गवर्नर वोरोब्योव ने बताया कि एक ड्रोन के 21 मंजिला इमारत से टकराने के बाद आग लग गई, जिसके बाद लगभग 400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। हालांकि, उन्होंने ड्रोन कहां से आया था, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

- **रूस ने दावा किया कि 1600 से अधिक ड्रोन हवा में नष्ट कर दिए गए। उसने इस हमले को चुनाव में हस्तक्षेप करने का प्रयास बताया।**

अधिकारियों के मुताबिक, यूक्रेन के दक्षिणी खेरसोन क्षेत्र के रूसी कब्जे वाले हिस्से में एक बस को भी ड्रोन से निशाना बनाया गया। इस हमले में चुनाव आयोग के एक सदस्य सहित दो लोगों की मौत हो गई।

राजधानी मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि 1,600 से अधिक ड्रोन को रोका गया और मार गिराया गया, जिनमें से 450 का लक्ष्य मॉस्को था। उन्होंने यूक्रेन पर तीन दिवसीय चुनाव में हस्तक्षेप करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा, "यह हमला स्पष्ट रूप से चुनावों को बाधित करने के उद्देश्य से सुनियोजित था। दुश्मन इसमें सफल नहीं हुआ।"

मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि मॉस्को ऑयल रिफाइनरी के परिसर में स्थित एक सुविधा को नुकसान पहुंचा है। अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इस जवाबी कार्रवाई की तारीफ करते हुए इसे रूस के युद्ध बजट पर बड़ा प्रहार बताया है। उन्होंने बताया कि यह हमला रूस के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करने के कीव के अभियानों का हिस्सा है, जिसके जरिए रूस अपने सैन्य अभियानों का वित्तपोषण (फंडिंग) करता है।

गौरतलब है कि रूस पर यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब शुक्रवार को रूसियों ने देश के पहले संसदीय चुनाव में मतदान शुरू किया, यह चुनाव फरवरी 2022 में मॉस्को द्वारा यूक्रेन में सेना भेजने के बाद हो रहा है।

इस चुनाव में सिर्फ वही पार्टियां लड़ सकती हैं, जो पुतिन और क्रेमलिन के सैन्य अभियान का समर्थन करती हैं। मॉस्को ने कब्जे वाले यूक्रेन में भी मतदान का आयोजन किया है।

हूती ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिसाइलों से हमला किया गया। यह पहली बार है जब हूती ने महीनों बाद क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया। हूती ने कहा है कि वह सऊदी अरब की सबसे कीमती संपत्ति अरामको ऑयल फैसिलिटी को निशाना बनाएगा। हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने शनिवार को कहा, "राजधानी सना को निशाना बनाने की सऊदी की कोशिश के जवाब में दो सफल सैन्य अभियान चलाए गए।" उन्होंने कहा, "पहला हमला सऊदी राजधानी रियाद में संवेदनशील ठिकानों पर और दूसरा यानबू में अरामको की सुविधाओं पर किया गया।" यानबू पर हमला अहम है। यह लाल सागर के तट पर स्थित है, लेकिन यमन और सऊदी अरब की सीमा से लगभग 700 मील उत्तर में है। रियाद भी सीमा से 700 मील से ज्यादा दूर है। इससे साफ है कि हूती अब सऊदी अरब में काफी नजदीक से हमला कर रहे हैं।

पंजाब में भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाले में लिया है। भाजपा की राजनीति पंजाब में लंबे समय तक शहरी हिंदुओं तक सीमित रही है। लेकिन अब उसे लगता है कि शहरी हिंदुओं के अलावा थोड़े उदार सिख पंथियों के बीच भी वह पैठ बना सकती है। समय भी भाजपा को अपने अनुकूल लग रहा है क्योंकि खुद को सिख वोटरों की सबसे बड़ा दावेदार कहने वाला अकाली दल पहले के मुकाबले बेहद कमजोर है।

वोटों के ट्रांसफर के लिए भाजपा अकाली दल को साथ तो लेना चाहती है, लेकिन अपना शेयर कम नहीं करना चाहती। ज्ञातव्य है कि 2022 का चुनाव अकाली दल के लिए बेहद निराशाजनक था। तब अकाली दल को 3 ही सीट मिली थीं और भाजपा को 2 सीट मिली थीं। इस तरह सीटों का अंतर भी दोनों के बीच काफी कम रह गया था। फिर लोकसभा चुनाव में भी अकाली दल कोई कमाल नहीं दिखा सका। इसलिए भाजपा चाहती है कि अकाली दल की कमजोरी के दिनों में पूरा फायदा उठा लिया जाए और पंजाब में भी बिहार और महाराष्ट्र की तरह विस्तार की कोशिश की जाए।

मुंबई में तेज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को नायर अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया। आदित्य का नायर अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, शनाय, आदित्य और धैर्य मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ते थे। शनाय अहमदाबाद का रहने वाला था और मुंबई में पीजी में रह रहा था। बीएमडब्ल्यू उसके परिवार की बताई गई है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने कार की जांच कर सैंपल जुटाए।

ए.टी.एस. ने वाराणसी में 30 लाख के इनामी नक्सली को मारा

वाराणसी, 20 सितंबर। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने रविवार सुबह वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान 30 लाख रुपये के इनामी कुख्यात नक्सली बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह को मार गिराया। बृजेश झारखंड के प्रतिबंधित नक्सली संगठन, तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) का कमांडर बताया गया है। वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जुड़े आतंकवादी वित्तपोषण के मामले में करीब आठ वर्षों से वांछित था। एटीएस के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) विपिन राय के मुताबिक, टीम को सूचना मिली थी कि बृजेश मोटरसाइकिल से रामनगर होते हुए मुगलसराय की ओर जाने वाला है।

दूसरी मंजिली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक तौर पर आग किस वजह से लगी और कमरे में आग किस परिस्थिति में तेजी से फैली, इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटा रही है।

ईरान ने अमेरिका से वार्ता के लिए 7 शर्तें रखीं

तेहरान/वाशिंगटन, 20 सितंबर। ईरान ने कतर के जरिए अमेरिका को बातचीत शुरू करने के लिए सात शर्तें बताई हैं। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर वाशिंगटन उसकी मांगें नहीं मानता है तो तेहरान निर्णायक युद्ध के लिए तैयार है।

अल जजीरा, शिन्हुआ, गल्फ न्यूज और अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सुप्रीम नैशनल सिक्योरिटी

- **उसने चेतावनी दी कि वॉशिंगटन ने मांगें नहीं मानीं तो तेहरान निर्णायक युद्ध के लिए तैयार है।**

काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा, "हम मध्यस्थ कतर के संपर्क में हैं। कतर ने युद्ध खत्म करने के मकसद से हमारी शर्तें वॉशिंगटन तक पहुंचाई हैं। हम राष्ट्रपति ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहे हैं।" रेजाई के मुताबिक शर्तों में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना, ईरान के फ्रीज़ किए गए फंड जारी करना और नौसैनिक नाकेबंदी हटाना शामिल है।

जानकारी के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह न्यूयॉर्क में खाड़ी सहयोग परिषद के नेताओं से मुलाकात करेंगे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ईरान चर्चा का प्रमुख विषय रहेगा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि ट्रंप या अमेरिका का कोई अन्य प्रतिनिधि ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करेगा या नहीं।

भाजपा को रोकना है तो विपक्षी दल मिल कर चुनाव लड़ें- ओवैसी

नई दिल्ली, 20 सितंबर। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव की बिसात बिछने लगी है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने के लिए विपक्षी दलों के साथ गठबंधन के द्वार खोल दिए हैं। रविवार को दिए एक बयान में ओवैसी ने अपना रूख स्पष्ट करते हुए कहा कि कोई भी विपक्षी पार्टी अकेले भाजपा का मुकाबला नहीं

- **ओवैसी ने कहा कि कोई भी विपक्षी पार्टी अकेले भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकती।**

कर सकती।

ओवैसी ने समान विचारधारा वाले दलों को एकजुट होकर चुनाव लड़ने का न्योता देते हुए कहा कि अगर उद्देश्य भाजपा को सत्ता से बाहर रखना है, तो उनकी पार्टी एआईएमआईएम उनके साथ काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "हम उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार नहीं बनने देना चाहते। अगर कोई भाजपा को सरकार बनाते हुए नहीं देखना चाहता, तो वे हमसे बात कर सकते हैं। भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए हम आपके साथ काम करने को तैयार हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि आप अकेले भाजपा को नहीं रोक सकते।"

प्रिंसेस डायना के छोटे भाई, अर्ल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सार्वजनिक आलोचनाओं का कभी जवाब नहीं देने की अपनी पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए बकिंघम पैलेस ने इस पर कड़ा खंडन जारी किया।

इससे विरोध और आलोचना का बड़ा तूफान खड़ा हो गया है। कुछ लोगों ने कहा कि अर्ल स्पैन्सर बातें बना रहे हैं। वहीं, कई अन्य लोग तत्कालीन प्रिंस ऑफ वेल्स की कथित टिप्पणी से नाराज़ हुए। बहुत से लोगों का कहना है कि करीब तीस साल पहले डायना की मौत के तुरंत बाद हुई बातचीत के ये उद्धरण महज बकवास हैं। बात चाहे जो भी हो, स्पैन्सर परिवार के इस सदस्य के हमले से राजघराने को चोट जरूर पहुंची है। स्पैन्सर परिवार शाही परिवार के करीब रहा है और दिवंगत महारानी एलिजाबेथ खुद अर्ल स्पैन्सर की गॉडमदर थीं।

सच्चाई चाहे जो भी हो, राजकुमारी डायना की मौत को भुलाया नहीं जा सका है। यह चार्ल्स के उस कथित दावे के बिल्कुल विपरीत है कि डायना को जल्द भुला दिया जाएगा (अगर यह दावा सच था तो)।

शाही परिवार के लिए विवाद और आरोप कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन मौजूदा विवाद पुराने घावों को फिर से खोलने जैसा है। ये घाव राजकुमारी की दुखद मौत के बाद से कभी पूरी तरह नहीं भरे। राजकुमारी डायना की शादी तत्कालीन प्रिंस ऑफ वेल्स चार्ल्स से हुई थी, जो अब किंग चार्ल्स के रूप में ब्रिटेन के राजा हैं।

राजकुमारी डायना की 1997 में पेरिस में एक भयानक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। यह दुर्घटना तब हुई, जब उनकी कार पैपराज़ी, अखबार के पत्रकारों और स्वतंत्र रिपोर्टरों के एक समूह से पीछा छुड़ाने की कोशिश कर रही थी। उस समय डायना सऊदी अरब के एक बेहद अमीर कारोबारी के बेटे के साथ यात्रा कर रही थीं।

करीब तीस साल बाद उनके भाई अर्ल चार्ल्स स्पैन्सर ने राजकुमारी की मौत के बाद की परिस्थितियों पर एक किताब लिखी है। अर्ल स्पैन्सर, राजकुमारी डायना से तीन साल छोटे थे और बचपन में माता-पिता के अलग होने के दौर में डायना ने उनकी काफी देखभाल की थी।

राजकुमारी डायना की दर्दनाक मौत के तुरंत बाद ब्रिटिश शाही परिवार की ठंडी प्रतिक्रिया ने लोगों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया था। ब्रिटेन की जनता शोक में भावनात्मक रूप से इस कदर डूबी हुई थी कि जनता का यह व्यवहार देश के लोगों के, सामान्य रूप से अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त न करने के व्यवहार के बिल्कुल विपरीत था। शाही परिवार की चुप्पी और संयमित प्रतिक्रिया लोगों के खुले तौर पर व्यक्त किए जा रहे दुख से बिल्कुल अलग थी। यहां तक कि महारानी एलिज़ाबैथ को भी शुरुआत में उनकी चुप्पी और भावहीन प्रतिक्रिया के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था।

डायना की मौत के बाद से, ब्रिटिश लोगों के लिए अपनी निजी भावनाओं को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करना और किसी प्रिय व्यक्ति के निधन पर खुलकर शोक मनाना अब कोई अजीब बात नहीं रही।

उत्तर कोरिया ने दो मिसाइल दागीं, द.कोरिया व जापान अलर्ट हुए

सोल, 20 सितंबर। उत्तर कोरिया ने रविवार को ईस्ट सी की ओर तीन घंटे में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। दक्षिण कोरिया और जापान ने इसकी पुष्टि की है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलर्ट जारी करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया ने संदिग्ध बैलिस्टिक

- **उत्तर कोरिया ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया व जापान के नौसैनिक अभ्यास की आलोचना की थी व चेतावनी भी दी थी।**

मिसाइल लॉन्च की है और इससे जुड़ी अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है। उत्तर कोरिया का बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किम जोंग उन की चेतावनी के बाद आया है, जो उन्होंने गुआम में अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के नौसैनिक अभ्यास को लेकर दी थी।

जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक मिसाइल समुद्र में गिर गई।

लाहौर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विरोध प्रदर्शन की रणनीति और योजना बना रही थीं। 27 सितंबर को होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले उन्हें लाहौर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, पीटीआई के एक प्रवक्ता ने अलीमा खान की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। फिलहाल लाहौर पुलिस ने गिरफ्तारी की वजह को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। डॉन के मुताबिक, आलिमा खान की गिरफ्तारी से पहले इस्लामाबाद पुलिस ने चार पीटीआई कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया है। इन लोगों को 27 सितंबर के प्रदर्शन की तैयारी से जुड़ी एक बैठक के बाद गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन पर दंगा करने, सरकारी काम में बांधा डालने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने जैसे आरोप लगाए हैं।

टाटा ट्रस्ट्स ने चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति को अवैध बताया

उसका कहना है कि प्रस्ताव पारित करने के लिए ट्रस्ट के दोनों नामित निदेशकों का समर्थन आवश्यक है

नई दिल्ली, 20 सितम्बर। टाटा समूह में चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस के 17 सितंबर के उस फैसले की वैधता पर सवाल उठाया है, जिसमें चंद्रशेखरन को पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए एग्ज़ीक्यूटिव चेयरमैन बनाए रखने का फैसला हुआ था। ट्रस्ट्स का कहना है कि कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (ए.ओ.ए) के मुताबिक, ट्रस्ट की ओर से नामित निदेशकों की मंजूरी जरूरी थी। ऐसे में चेयरमैन के पास मौजूद कास्टिंग वोट इस शर्त को खत्म नहीं कर सकता।

टाटा ट्रस्ट्स के मुताबिक, 17 सितंबर की बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के प्रस्ताव पर कोई गतिरोध था ही नहीं। टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट्स के दो नामित निदेशक हैं। इनमें से रतन टाटा के निधन के बाद टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन बने नोएल टाटा ने

- **टाटा ट्रस्ट्स के अनुसार, पूरे बोर्ड में 4-1 से प्रस्ताव पारित होना इस मामले में निर्णायक नहीं है, क्योंकि एओए में ट्रस्ट नामित निदेशकों से जुड़ी अलग शर्त है और उसे पूरा करना जरूरी है।**

चंद्रशेखरन के कार्यकाल को पांच साल बढ़ाने के प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया, जबकि दूसरे ट्रस्ट-नामित निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने प्रस्ताव का समर्थन किया। ट्रस्ट्स का तर्क है कि दो नामित निदेशकों में बहुमत का मतलब दो है, एक नहीं। इसलिए जरूरी समर्थन नहीं मिला और प्रस्ताव वैध रूप से पारित नहीं हो सकता था।

टाटा संस के बोर्ड ने चंद्रशेखरन को और पांच साल के लिए एग्ज़ीक्यूटिव चेयरमैन बनाए रखने के प्रस्ताव को 4-1 के अंतर से मंजूरी दी थी। नोएल टाटा ने इसका विरोध किया था। खास बात यह है कि चंद्रशेखरन पहले ही कह चुके थे कि वह अगले कार्यकाल के लिए खुद दावेदारी नहीं करेंगे। हालांकि, बोर्ड के अनुरोध के बाद उन्होंने अपना फैसला बदलने पर सहमति जताई।

टाटा ट्रस्ट्स का कहना है कि पूरे बोर्ड में 4-1 से प्रस्ताव पारित होना इस मामले में निर्णायक नहीं है। उसके मुताबिक, एओए में ट्रस्ट-नामित निदेशकों से जुड़ी अलग शर्त है और उसे पूरा करना जरूरी था। ट्रस्ट्स ने कहा कि वोटों का नतीजा 4-1 हो या कोई और, इससे फर्क नहीं पड़ता। किसी शर्त को या तो पूरा किया जाता है या नहीं किया जाता। इस मामले में ट्रस्ट्स की ओर से जरूरी समर्थन नहीं मिला, इसलिए उनके अनुसार प्रस्ताव भी वैध नहीं है।ट्रस्ट्स के मुताबिक, ऐसे मामले में प्रस्ताव को प्रभावी होने के लिए बोर्ड में कम-से-कम 66 प्रतिसत समर्थन के साथ-साथ टाटा ट्रस्ट्स की ओर से नियुक्त दोनों डायरेक्टरों की सहमति भी जरूरी है।

टाटा समूह में चल रहा यह मतभेद सिर्फ चेयरमैन के कार्यकाल तक सीमित नहीं है। टाटा संस के बोर्ड ने 17 सितंबर को कंपनी को संभावित रूप से शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की दिशा में भी कदम उठाने को मंजूरी दी थी। यह फैसला तब आया, जब भारतीय रिजर्व बैंक ने टाटा संस के कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन सरेंडर करने के आवेदन को मंजूर नहीं किया। टाटा ट्रस्ट्स कंपनी की लिस्टिंग के पक्ष में नहीं है और उसने दूसरे विकल्प तलाशने की बात कही है। ट्रस्ट्स का कहना है कि लिस्टिंग से कॉरपोरेट गवर्नेंस बेहतर होने की दलील भी सही नहीं है, क्योंकि टाटा संस पहले से ही कई मामलों में सार्वजनिक कंपनियों जैसे गवर्नेंस मानकों का पालन करती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908